


12/11/24

प्रावली पेश हुई। ग्राम प्राची अपरिचित। अ-  
-प्राचीगण अनुपरिचित। तीन बार कक कक कर  
आवाज डी गई लेकिन कोई भी अपरिचित नहीं  
मतः प्रति इसे 3 के विरुद्ध एक पक्षीय कर्षण  
की गई। ग्राम प्राची की एकपक्षीय कल  
सुनी गई। ग्राम प्राची द्वारा वस प्राण के  
दौरान कथन किया कि ग्राम खैराना तहसील  
की वादग्रस्त आराजी खाना स० 470 किता  
2 रकबा 2.31 हल प्राची व अप्राचीगण की सह-  
स्वतंत्रता से दर्ज रिपोर्ट है जिसमें प्राची का  
हिल्ला 5/12 है। अप्राची द्वारा अप्राचीगण को कई  
बार खाना विभाजन करने का निवेदन किया  
लेकिन अन्यायी करते हैं और लडाईं झगडा करने  
पर आमदा रहते हैं। अब बिना खाना विभाजन  
के हिल्ला विशेष का बैचान करने पर आमदा  
है मतः अप्राचीगण को लारिंग अस्थाई निषेधात  
पावंड करे कि वे बिना खाना विभाजन प्रिये  
बिना वादग्रस्त आराजी का बैचान नहीं करें।

2. धारा-212 RT Act n.w. order 39 R132 ope के  
प्राण को adjudicate करने के लिए इसे  
मिशन 03 विन्दुओं पर भौचता आवश्यक है:-

(अ) प्रकरण प्रथम रूपः- ग्राम  की  
वादग्रस्त आराजी खाना स० 470 किता 2 रकबा 2.31  
हल से प्राची का हिल्ला 5/12 दर्ज रिकार्ड है।

जिसी रिकार्ड्स सहरवातेदार मूषक, सहरवाते की आराजी के प्रत्येक हिस्से पर हक व आधिकार मौहित होता है। अतः प्रकरण, प्रथम दृष्टया प्रार्थी के पक्ष में है।

(ब) सुविधा का संतुलन :- आरंभ प्रार्थी द्वारा कथन किया है कि वादग्रस्त आराजी का सहरवातेदारी के मध्य बंटवारा नहीं हुआ है जबकि प्राप पत्र के मद्द पर 4 व 5 में अंकित किया है कि वादग्रस्त आराजी का मौके पर सुविधागुल बंटवारा ही रखा है। प्रार्थी अपने हिस्से की आराजी पर कब्जाकाश्त करता चला आ रहा है। अतः जाहिर होता है कि प्रार्थी व अप्राथीगि के मध्य वादग्रस्त आराजी का मौके पर वारिवाहिक बंटवारा होकर कब्जा काश्त है। प्रार्थी द्वारा ऐसा कोई साक्ष्य प्रेश नहीं किया कि जिससे साबित हो कि अप्राथीगि अपने हिस्से की आराजी का बेचात कर रहे हैं या करने पर आमतदा है। बिना किसी मजबूत साक्ष्य के किसी Recorded co-tenant के विरुद्ध स्थगन जारी करना न्यायोचित नहीं है। ऐसे स्थगन आदेश से अप्राथीगि को आधिकार सुविधा ही सक्ती है। अतः प्रकरण में सुविधा का संतुलन प्रार्थी के पक्ष में नहीं है।

(द) अपूरणीय झति :- प्रथम दृष्टया यह जाहिर कि सभी सहरवातेदारी के मध्य मौके पर बंटवारा होकर कब्जाकाश्त चले आ रहे हैं। यदि अप्राथीगि अपने हिस्से का बेचात करे है तो प्रार्थी के रिकार्ड्स हिस्से पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। विभाजन के बिना किसी विशेष हिस्से का कब्जा सौंपने से कुछ झति संभावित है लेकिन यह झति, अपूरणीय होगा ऐसा कोई साक्ष्य फाचली पर उपलब्ध नहीं है।

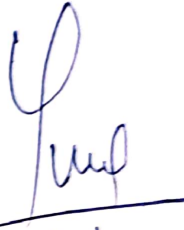
तारीख  
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियट्स जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो  
हुक्म की तारीख  
में जारी हुआ

3. उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थना  
का प्रारंभ पत्र प/स 212 RT Act 8.W.039 R152  
CPC को अस्वीकार किया जाता है।  
फावली के सत्य कुमार होकर लम्बा से कम  
होकर मूलवाद के साथ समत हो।



  
27/11/24

उपखण्ड अधिकारी  
पिठावा, जिला झालावाड़ (राज०)